

Oil looks vulnerable in the short term

CRUDE CHECK. MCX Crude Oil contract can fall to ₹4,950 or ₹4,800 on a break below ₹5,230

Gurumurthy K

bl. research bureau

Crude Oil prices have been coming down over the last couple of weeks. The Brent Crude Futures contract has declined by about 4.5 per cent in the last two weeks. Concerns over excess supply and slowing demand are weighing on oil prices now. Brent Crude Oil closed the week at \$63.65 per barrel.

On the domestic front, the Crude Oil Futures contract on the Multi Commodity Exchange has declined 2.4 per cent in the last two weeks. The contract has closed the week at ₹5,295 per barrel. The Indian rupee weakening against the US dollar has aided to limit the loss in the MCX Crude Oil contract.

Here is our analysis of where the oil prices are headed:

BRENT CRUDE (\$63.65)

The short-term outlook is weak. Resistances are \$64.45 and \$65.50. A strong trigger might be needed to breach \$65.50 and go up towards \$67 and higher. However, we can expect the Brent



GETTY IMAGES

Crude to remain below \$64.45 itself.

Support is around \$62.80. A break below this support can drag Brent Crude Oil price down to \$60.50-\$60 in the short term.

MCX CRUDE OIL (₹5,295)

The trend is down. The recent price action indicates the struggle to breach ₹5,500. Cluster of resistances are in the

₹5,500-5,600 region. A strong and sustained break above ₹5,600 is needed to turn the outlook positive. Only then will the rise to ₹5,800-5,900 come into the picture. But such a rise looks less probable.

Support is in the ₹5,250-5,230 region. A break below ₹5,230 can drag the MCX Crude Oil Futures contract down to ₹4,950 or even ₹4,800 in the coming weeks.

TRADE STRATEGY

Traders can take fresh short positions on a break below ₹5,230. Keep the stop-loss at ₹5,370. Trail the stop-loss down to ₹5,200 as soon as the contract falls to ₹5,160.

Revise the stop-loss down to ₹5,140 and ₹5,060 when the price touches ₹5,080 and ₹5,010 respectively. Exit the short positions at ₹4,960.

ET Q&A **DENIS ALIPOV**
RUSSIAN ENVOY

Defence ties cover anti-drone systems, advanced radars ship, missiles, torpedos & underwater platforms

'India, Russia Exploring Ways to Keep Energy Flow Amid Curbs'

Dipanjan Roy Chaudhury

New Delhi: Russia has proved its reliability to India as a solid partner for crude oil supplies, offering best price and quality options, the country's ambassador to India Denis Alipov has said.

In an exclusive interview with ET, Alipov said both countries are committed to finding a way out amid unilateral sanctions on Russian oil companies.

"Russia has recently become a major supplier of crude oil to the Indian market, ensuring more than one-third of India's imports, and proved its reliability as a solid partner capable of offering best price and quality options," Alipov said.

"Our dynamic engagements meet both India's requirements and significantly contri-

bute to its power potential despite numerous attempts to derail our partnership in the past. So, we are obviously committed to finding a new way out. Eventually we are positive that the bilateral energy dialogue will continue for the benefit of the people of our friendly nations."

The comments assume significance amid US President Donald Trump's repeated claim that India has drastically reduced imports of Russian oil.

The Trump administration has sanctioned two Russian energy majors Rosneft and Lukoil for, what they claim, contributing to the Russian war chest.

When asked about the impact of sanctions on India-Russia ties, Alipov said, "Illegitimate unilateral sanctions hinder economic development, affect ordinary citizens and lead to the destruction of supply chains. India has not officially joined the western restrictions, however, many local com-

panies, primarily focused on the European and North American markets, are very cautious to openly cooperate with Russian partners".

The senior diplomat informed that to make bilateral economic cooperation more secure and independent, both sides are constantly working to improve the system of mutual settlements in national and alternative currencies with its share exceeding 90%. To ensure smooth flow of goods, much attention is being paid to the development of alternative transport and logistics routes.

The Russian envoy also referred to the robust defence partnership, which has been the backbone of ties for decades, and elaborated on the new projects under discussion.

"We are discussing drones and anti-drone systems, advanced radar ship and engine building, missile and torpedo armament, underwater platforms and other force multipliers. Importantly, this cooperation is unique as it also emanates from our own battleground experience that we eagerly share with the Indian partners."



काशी से विकसित भारत का मंत्र साकार करना लक्ष्य

पाथनिबर समाचार सेवा। वाराणसी

आठ नवंबर (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित काशी से विकसित भारत' का मंत्र साकार करने के मकसद से सरकार द्वारा वाराणसी में मूलभूत ढांचे को मजबूत करने के लिये लगातार कार्य किये जाने का जिक्र करते हुए कहा कि उनका प्रयास है कि बनारस में आना, रहना और वहां का आतिथ्य सबके लिये खास अनुभव बने।

अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के घेरे पर शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन पर चार खंभे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वाराणसी के विकास के लिये किये जा रहे विभिन्न कार्यों का विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने कहा, "विकसित काशी से विकसित भारत का मंत्र साकार करने के लिए हम लगातार वहां भी बुनियादी ढांचे के कई काम कर रहे हैं। आज काशी में अच्छे अस्पताल, अच्छी सड़क, गैस पाइपलाइन से लेकर इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्थाएं लगातार बढ़ायी जा रही हैं। विकास भी हो रहा है और गुणात्मक सुधार भी हो रहा है। रोपवे पर तेजी से काम हो रहा है गंगावी और सिविल स्टेडियम जैसे खेल संबंधी बुनियादी ढांचा भी अब हमारे पास है। प्रधानमंत्री ने कहा, "हमारा प्रयास है कि बनारस आना, बनारस में रहना और बनारस का आतिथ्य सबके लिए खास अनुभव बने। हमारी सरकार का प्रयास काशी में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार करना है। उन्होंने कहा, "अभी 10 से 11 साल पहले स्थिति यह थी कि



गंगावी बीमारी का इलाज करना हो तो लोगों के पास सिर्फ बीएचयू (काशी हिंदू विश्वविद्यालय) का विकल्प होता था और मरीजों की संख्या इतनी ज्यादा होती थी कि पूरी पूरी रात खड़े रहने के बाद भी उन्हें इलाज नहीं मिल पाता था। कैसर जैसी गंगावी बीमारी होने पर इलाज के लिए लोग जमीन और खेत बेचकर मुंबई जाते थे। आज काशी के लोगों की इन सारी चिंताओं को हमारी सरकार ने खत्म करने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, "कैसर के लिए महामना कैसर अस्पताल, आँख के इलाज के लिए शंकर नेत्रालय, बीएचयू में बना अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर और शताब्दी चिकित्सालय, पांडेयपुर में बना मंडलीय अस्पताल... यह सारे अस्पताल आज काशी और पूर्वांचल समेत आसपास के राज्यों के लिए भी खदान बने हैं। इन अस्पतालों में आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्र की वजह से आज गरीबों को लाखों-करोड़ों रुपये की बचत हो रही है।

भारत अब पांच रिफाइनिंग देशों में शामिल : पुरी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को जानकारी देते हुए कहा कि 23 वर्ल्ड-क्लास रिफाइनरियों और 258.2 एमएमटीपीए की कुल क्षमता के साथ भारत अब टॉप पांच रिफाइनिंग देशों में शामिल हो गया है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत की रिफाइनिंग स्टोरी प्रगति, इन्वेंशन और आत्मनिर्भरता की कहानी है। घरेलू मांग को पूरा करने से लेकर ग्लोबल मार्केट की जरूरतों को पूरा करने तक यह यात्रा काफी शानदार रही है।

उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहा, पेट्रोलियम प्रोडक्ट का निर्यात जहां 2014-15 में 55.5 मिलियन टन दर्ज किया गया था, वहीं यह आज 2024-25 में बढ़कर 64.7 मिलियन टन के आंकड़े को छू चुका है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि आज के समय में हर रिफाइनरी बीएस-VI फ्यूल का उत्पादन कर रही है, जो कि दुनिया भर में सबसे क्लीन फ्यूल है। इसके अलावा, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत राजस्थान और ओडिशा में स्थित नए

- पेट्रोलियम प्रोडक्ट का निर्यात बढ़कर 64.7 मिलियन टन हो चुका है
- हर रिफाइनरी बीएस-VI फ्यूल का उत्पादन कर रही है

पेट्रोकेमिकल हब के साथ ऊर्जा के भविष्य को फिर से परिभाषित कर रहे हैं।

इससे पहले इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री पुरी ने मिशन अन्वेषण को लेकर जानकारी देते हुए बताया था कि इसका उद्देश्य देश भर में 20 हजार ग्राउंड लाइन किलोमीटर से अधिक की मैपिंग करना है। जबकि अभी तक कुल 8000 ग्राउंड-लाइन किलोमीटर का सर्वे किया जा चुका है।

उन्होंने इस मिशन को भारत के इतिहास में एक सबसे बड़ा सिस्मिक मैपिंग प्रोग्राम बताया।

उन्होंने बताया था कि दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के साथ हमारी मांग लगातार बढ़ती जा रही है।